दस विज्ञान संचारकों को राष्ट्रीय पुरस्कार

उमाशंकर मिश्र

नई दिल्ली, फरवरी 28 (इंडिया साइंस वायर): राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद और भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से मंगलवार को वर्ष 2016 के लिए दस विज्ञान संचारकों को राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार प्रदान किया गया। यह पुरस्कार हर साल विज्ञान को लोकप्रिय बनाने में अपना योगदान देने वाले लेखकों एवं पत्रकारों को दिया जाता है। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और भू–विज्ञान मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने ये पुरस्कार प्रदान किए।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी को हर साल 'रामन प्रभाव' की खोज करने वाले नोबेल पुरस्कार प्राप्त भारतीय वैज्ञानिक सर सी.वी. रामन की याद में मनाया जाता है। इस बार राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम 'दिव्यांगों के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी' रखी गई थी। राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद की ओर से राष्ट्रीय विज्ञान संचार पुरस्कार की शुरुआत विज्ञान को लोकप्रिय बनाने और आम लोगों के बीच वैज्ञानिक दृष्टिकोण पैदा करने वाले विज्ञान संचारकों को सम्मानित करने के लिए 1987 में की गई थी।

इस बार भुवनेश्वर के कलिंगा फांउडेशन ट्रस्ट और नई दिल्ली की डॉ. एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार में बेहतरीन योगदान के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार के तहत दो लाख रुपये नकद राशि, स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. रंजीत सिंह एवं चेन्नई की डॉ. शुभाश्री डेसिकन को पुस्तकों एवं पत्रिकाओं समेत प्रिंट मीडिया के जरिये विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए पुरस्कृत किया गया।

इसके अलावा दिल्ली स्टेट साइंस टीचर्स फोरम, बालासोर के पदमलोचन प्रधान और सतारा के संजय बापूराव पुजारी को बच्चों के लिए लेखन करने के लिए पुरस्कृत किया गया। जबकि, लखनऊ की डॉ. शैली अवस्थी को नवाचारी एवं परंपरागत तरीकों से विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए सम्मानित किया गया। लखनऊ के ही डॉ. अनिल कुमार त्रिपाठी और केरल के जी.एस. उन्नीकृष्नन नायर को इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के जरिये प्रभावी विज्ञान संचार के लिए यह पुरस्कार दिया गया।

(इंडिया साइंस वायर)